द स्कॉलर हाई स्कूल

कोलाबा, मुम्बई.

प्रीलिमिनरी परीक्षा - दिसम्बर २०१८

कक्षा - १०　　विषय - हिन्दी　　अंक - ८०　　समय - ३ घन्टे

This paper comprises two Sections - Section A and Section B.

Attempt all the questions from Section A.

Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

भाषा

प्र.१　निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त लेख लिखिए।　(१५)

१) शहरों का बढ़ता प्रदूषण कारण और निवारण।

२) प्रजातंत्र में चुनावों का क्या महत्व है? इसे कैसे और प्रभावी और निष्पक्ष बनाया जा सकता है, पर प्रस्ताव लिखें।

३) सोशल मिडिया के बढ़ते प्रभाव के लाभ और हानियों पर प्रकाश डालें।

४) 'जैसी करनी वैसी भरनी' कहावत पर मौलिक कहानी लिखें।

५) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Scanned by CamScanner

प्र.२ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में पत्र लिखिए। (७)

क) मित्र को पत्र लिखकर गाँव की सैर का वर्णन करते हुए ग्रामीण जीवन के महत्त्व को स्पष्ट करें।

या

ख) सम्पादक, नवभारत टाईम्स को पत्र लिखकर शहर में खाद्य पदार्थों में बढ़ रही मिलावट की शिकायत करें।

प्र.३ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (१०)

मानव के जीवन में नारी का बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान है। उसके बिना पुरुष अधूरा है। इसी कारण कहा गया है कि शक्ति के बिना शिव भी शव बन कर रह जाते हैं। इसी कारण शिव को 'अर्द्धनारीश्वर' कहा जाता है। नारी के दो मुख्य रूप हैं। सामान्य रूप में वह अबला कहलाती है किन्तु आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचने की दशा में चण्डी रूप धारण कर लेती है। सहनशीलता में उसे धरती के समान माना गया है। अपने तप और सहनशीलता की शक्ति से वह देवताओं को भी विवश कर देती है। 'सावित्री' एक ऐसी ही भारतीय नारी थी।

मद्र देश के अश्वपति नाम के राजा की कन्या सावित्री का जन्म सावित्री देवी की उपासना से हुआ था। वह बहुत सुन्दर, विदुषी और मेधावी कन्या थी। उसके रूप और गुणों के अनुसार पति की खोज में असमर्थ माता-पिता ने सावित्री को अपने योग्य पति चुनने की आज्ञा दी। बूढ़े मंत्री के साथ राजकुमारी यात्रा पर चल दी। यात्रा के मध्य एक सघन वन से निकलते समय सावित्री की दृष्टि आकर्षक व्यक्तित्व वाले एक सुन्दर युवक पर पड़ी। मंत्री की सहायता से उसका परिचय जानकर वे सब वापस राजधानी आ गए। उस युवक का नाम सत्यवान था। वह शाल्वदेश के राजा का पुत्र था। जंगल में ही पला-बढ़ा था। संयोगवश नारदजी भी वहाँ उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि जो वर सावित्री ने चुना है उसकी आयु का केवल एक वर्ष ही शेष है। तब सावित्री ने अपने पिता जी से कहा कि उसने एक बार जिसका वरण कर लिया है वह उसी से विवाह करेगी। विधि-विधान से शादी सम्पन्न हो गयी।

विवाह के पश्चात् सावित्री की दीनचर्या पति, सास और ससुर की सेवा तक ही सीमित रह गयी। इसके साथ ही पति की दीर्घायु संबंधी प्रार्थना भी चलती रही। जिस दिन सत्यवान की मृत्यु निश्चित थी उसके तीन दिन पूर्व उसने निर्जल व्रत आरम्भ कर दिया किन्तु उसकी दिनचर्या यथावत् रही। अंतिम दिन सत्यवान के साथ लकड़ी लेने जंगल भी गयी। अचानक सत्यवान की तबीयत बिगड़ने लगी और नारद जी की भविष्यवाणी के अनुसार सत्यवान ने देह त्याग दी। यमराज सत्यवान के शरीर में से प्राण निकालकर पाश में बाँधकर दक्षिण दिशा की और चल दिए। सावित्री ने यमराज से कहा कि जहाँ उसके पति को ले जाया जाएगा वह भी वहीं जाएगी। यमराज ने सावित्री के पातिव्रत्य से प्रसन्न होकर उसे अनेक वर दिए। यहाँ तक कि उसे सौ यशस्वी पुत्रों की माँ बनने का आशीर्वाद भी दिया। अन्त में विवश होकर अपने दिए आशीर्वाद के कारण ही उन्हें सत्यवान को पुनः जीवित करना पड़ा। इस प्रकार अपनी दृढ़ता से सावित्री मृत्यु पर भी विजय प्राप्त करने में सफल हुई।

प्रश्न:

१) नारी के संबंध में लेखक के क्या विचार है? (२)

२) सावित्री कौन थी? उसके गुणों का वर्णन कीजिए। (२)

३) राजा ने सावित्री को कब और क्या आज्ञा दी? सावित्री ने किसे और क्यों अपना पति चुना? (२)

४) सत्यवान के संबंध में नारदजी ने क्या चेतावनी दी थी? सावित्री के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है? (२)

५) सावित्री ने किस प्रकार अपने पति के जीवन की रक्षा की? (२)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

१) विशेषण बनाइये –

आत्म, कुसुम (१)

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263030.

P.T.O.

Scanned by CamScanner

२) निम्न शब्दों में किसी एक के पर्यायवाची शब्द लिखिए – (१)
उत्साह, मनुष्य

३) किन्हीं दो के विपरीतार्थक शब्द लिखिए – (१)
तृष्णा, विश्लेषण, पार्थिव, सादर

४) किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये – (१)
मिट्टी का माधो, हाथों के तोते उड़ना।

५) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए – (१)
मनुज, उड़ना

६) निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए – (३)
१) बच्चों से गुस्सा मत करो। (वाक्य शुद्ध कीजिए।)
२) यदि परिश्रम नहीं करोगे तो सफल कैसे होगे? (वर्तमान काल में लिखें।)
३) जब पानी बरसने लगा तब मैं लौट गया। ('पर' शब्द का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।)

SECTION B (40 Marks)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर हिंदी में लिखिए जो निर्धारित पुस्तकों में से दो से अवश्य संबंधित हों :-

प्र.५ "बस हर घड़ी, हर जगह और हर चीज़ में से तू अपने चित्रों के लिए मॉडल खोजा करती है।"
(दो कलाकार - मन्नू भंडारी)

१) उपर्युक्त कथन किसने, किसके लिए कहा है? (२)
२) श्रोता के चरित्र पर प्रकाश डालें? (२)
३) वक्ता ने यह सुनकर उसे क्या सलाह दी? (३)
४) कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें? (३)

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

प्र.६ "बस जरा-सी उम्र में ही इसकी मौत से पहचान हो गई – मुझे अचरज हुआ।"
(अपना-अपना भाग्य - जैनेंद्र जैन)

१) लेखक को किस बात पर अचरज हुआ? (२)
२) लेखक का मित्र उस लड़के को लेकर कहाँ पहुँचा और क्यों? (२)
३) वकील साहब की क्या विशेषताएँ थीं? (३)
४) वकील साहब ने उस लड़के को नौकर क्यों नहीं रखा? (३)

प्र.७ "तुमको भी संदेह हो रहा है। सो ठीक ही है। मुझे भी कुछ संदेह हो रहा है।"
(संदेह - जयशंकर प्रसाद)

१) वक्ता कौन है? श्रोता कौन है? (२)
२) वक्ता के अनुसार श्रोता को क्या संदेह हो रहा था? उसने क्यों कहा, 'सो ठीक है।' (२)
३) 'मुझे भी कुछ संदेह हो रहा है' - वक्ता के इस कथन का क्या आशय था? (३)
४) वक्ता ने श्रोता को किस बात के लिए धिक्कारा? (३)
श्रोता ने वक्ता

Scanned by CamScanner

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

एकांकी संचय

निम्नलिखित अवतरणों को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

प्र.८ 'आप मुझे मेरे मायके भेज दीजिए। मुझे ऐसा लगता है, जैसे मैं अपरिचितों में आ गई हूँ।'

(सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ 'अश्क')

१) उपर्युक्त कथन किसने, किससे और किस संदर्भ में कहा है? (२)

२) वक्ता को किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है? (२)

३) उसे ऐसा क्यों लगने लगा कि वह अपरिचितों में आ गई है? (३)

४) वक्ता की बात सुनकर श्रोता ने क्या उत्तर दिया? (३)

प्र.९ तो वह क्या कर लेता? मेरे सामने मुँह खोलने की हिम्मत नहीं है उसमें। वह मेरा बेटा है। तुम्हारी तरह बड़ों के मुँह लगने की बदतमीजी करने वाला कोई आवारा छोकरा नहीं।

(बहू की विदा - विनोद रस्तोगी)

१) वक्ता और श्रोता कौन-कौन हैं? उपर्युक्त कथन का संदर्भ बताइए। (२)

२) वक्ता का बेटा कौन है तथा वह कहाँ गया हुआ है? (२)

३) वक्ता ने श्रोता को किस बात पर अपमानित किया? (३)

४) वक्ता का हृदय-परिवर्तन कब तथा कैसे हुआ? (३)

प्र.१० 'प्राण जाएँ पर वचन न जाए' – यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान पर चढ़कर छूट गया, उसे बीच में नहीं लौटाया जा सकता।

(मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण प्रेमी)

१) उपर्युक्त कथन किसका है। कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। (२)

२) महाराणा ने क्या प्रतिज्ञा की थी तथा क्यों? (२)

३) महाराणा की प्रतिज्ञा की बात सुनकर चारणी ने महाराणा से क्या प्रार्थना की? और क्यों? (३)

४) महाराणा की प्रतिज्ञा किस प्रकार पूरी हुई? (३)

* * * * *

Scanned by CamScanner